मध्य प्रदेश के पूर्वी माड़ जिले को सिंचाई के लिए बिजली की सप्लाई

3890. **श्री गं० च० दीक्षित** : क्या सिंचाई तथा विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार गाँवों में बिजली लगाने की योजना के अन्तर्गत मध्य प्रदेश के पूर्वी निमाड़ जिले की सिंचाई के लिए बिजली सप्लाई करने की व्यवस्था करने का है ;

(ख) क्या वहां सिंचाई सम्बन्धी योजनाओं को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से सरकार का विचार छोटे तापीय बिजली केन्द्रों की प्राथमिकता के आधार पर स्थापना उन क्षेत्रों में करने का विचार है जहां अब सिंचाई के साधन उपलब्ध नहीं हैं ; और

(ग) यदि हां तो उस उक्त दिशा में कब तक कार्यवाही करने का विचार है ?

सिंचाई तथा विद्युत मंत्रालय में उप-मन्त्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) मध्य प्रदेश के पूर्वी निमाड़ जिले में 1969-70 तक 2048 सिंचाई पंपसैटों के अर्जन के लिए बिजली की पहले से ही व्यवस्था कर दी गई है। मध्य प्रदेश प्राधिकारियों ने 1970-71 के दौरान 800 और सिंचाई पंपसेटों के अर्जन के लिए बिजली की व्यवस्था का कार्यक्रम बनाया है जिनमें से 106 पंपसेट पहले ही अंजित किये जा चुके हैं।

(ख) और (ग). ग्राम विद्युतीकरण स्कीमें, विशेषरूप से असिंचित क्षेत्रों में सिंचाई सुविधाएं प्रदान करने के लिए पंपसेटों के अर्जन पर जोर देते हुए, नए सिरे से उठाई गई है। चूंकि सिंचाई भारों को पूरा करने के लिए सभी विद्युत शक्ति राज्य में उपलब्ध है इसलिए छोटे ताप विद्युत केन्द्रों की स्थापना का प्रश्न ही नहीं उठता।

Agreemet to supply Detergents and Carpets to U. S. S. R.

3891. SHRI MAYAVAN : Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether India and U. S. S. R. have signed an agreement for the supply of detergents and machine made carpets to the U. S. S. R. ; and

(b) if so, what are the main features of the agreement ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) and (b). The State Trading Corporation of India Ltd., have signed a contract with the Soviet Foreign Trade organisation M/s. SOJUZCHIMSEXPORT for the supply of 800 tonnes of Detergent Washing Powder to U. S. S. R. during the Fourth quarter of 1970. In so far as Machine made carpets is concerned, a contract has been signed by an Indian Private firm with M/s. NOVOEXPORT, Moscow for supply of 145,000 sq. metres of Machine-made tufted carpets in 1970-71.

Amendment of the Constitution to do away with Articles Regarding Institution of Princely Rulers

3892. SHRI YASHPAL SINGH : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether there is a demand from the Members of Parliament to introduce a Bill to amend the Constitution to do away with the Articles governing the institution of Princely Rulers ; and

(b) if so, the reaction of Government thereto ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS, AND MINISTER OF STATE, DEPARTMENTS OF ELECTRONICS AND SCIENTIFIC AND INDUSTRIAL RESEARCH (SHRI K. C. PANT) : (a) and (b). Some Members have demanded discussion on the introduc-

tion of a privy purse (abolition) Bill. A Private Member's Bill seeking to amend the Constitution for the same purpose is pending consideration of this House. As this House is aware the writ petitions filed by certain former Rulers challenging the derecognition orders have been heard by the Supreme Court and their judgment is awaited. Government are not in a position to say by which time they would be able to take a final decision about legislation on matters relating to former Rulers.

Export of Surgical Instruments

3893. SHRI YASHPAL SINGH: Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether there is a great demand for Indian made surgical instruments in foreign countries apart from the U. S. S. R. ; and

(b) if so, the names of countries where these instruments are exported ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) There is a limited demand for Indian made surgical instruments in foreign countries apart from the U. S. S. R.

(b) Major countries other than U. S. S.R. to which surgical iustruments have been exported are Ceylon, G. D. R., Iran, Iraq, ete.

बांदा तथा बुंदेल खण्ड की उबड़-खाबड़ भूमि में सिंचाई के अप्र्याप्त साधन

3894. श्री जगेश्वर यादव : क्या सिंचाई तथा विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बुंदेलखण्ड भूमि क्षेत्र अत्यधिक ऊबड़ खाबड़ है जिसके कारण सिंचाई के साधन अपर्याप्त रह जाते हैं और वहां प्राय: सूखा पड़ जाता है ;

(ख) उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में पड़ने वाले बुंदेलखंड क्षेत्र की भूमि को सिंचित करने के लिए सिंचाई के क्या नए साधन बनाये गये हैं या क्या योजनाएं बनाई गई है ;

(ग) उस क्षेत्र में सिंचाई की सुविधाएं प्रदान करने के लिए अब तक क्रियान्वित की गई पुरानी और नई योजनाओं का ब्यौरा क्या है ; और

(घ) क्या सरकार ने उपर्युक्त जिले में यमुना, केन, बेज पाशुनी, गदरा, गटा आदि नदियों के किनारों की उबड़-खावड़ भूमि में ट्यूबैल खोद कर भूमि को सिंचित करने की कोई योजना बनाई है ?

सिंचाई तथा विद्युत मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) से (घ). बुंदेलखण्ड में 1951 से पूर्व पूर्ण की गई स्कीमों का विवरण सभा पटल पर रखा जाता है। [ग्रंथालय में रख दिया गया। देखिये संख्या LT-4518/70]

इस क्षेत्र में योजनाओं के दौरान 17 सिंचाई स्कीमें हाथ में ली गई हैं जिनमें से एक बृहत तथा 14 मध्यम स्कीमें पूर्ण हो चुकी हैं। दो मध्यम स्कीमें चालू हैं। इनका ब्यौरा सभा पटल पर रखे गये विवरण में दिया गया है। [ग्रंथालय में रख दिया गया। देखिये संख्या 4518/70]

केन नहर के पुनर्पण की एक स्कीम इसकी कमान के अन्तर्गत सिंचाई स्थाईकरण के लिए राज्य सरकार से प्राप्त हुई थी और उनकी जांच की जा रही है।

राज्य सरकार ने 1968 में रेन, भितौरा, किशनपुर, औश तथा औगामी पर मंप नहरों का प्रस्ताव किया था। बाद में उन्होंने सूचित किया था कि ये स्कीमें संशोधित की जा रही है। संशोधित स्कीमें अभी तक प्राप्त नही हुई है।